बेहद की वैराग्य वृत्ति को ले आना होगा

ब्र.कु. उषा,वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

बाबा हम बच्चों को हर दिन कोई न कोई अनुभव कराते ही रहते हैं। इन अनुभवों के आधार पर ही हमारी स्थिति बनती है। बाबा जैसे कहते हैं कि जितना हो सके एकांत में रहो। एकांत माना एक के अंत में। एकांत के आगे तीन चीज़ें और होती हैं। तीन चीज़ें कौन-सी? तो पहली है इकॉनमी, दूसरी है एकनामी और तीसरी है एकांतप्रिय।

पहली जो इकॉनमी है वो हमें अपने व्यर्थ विचारों की करनी है। अपने विचारों को व्यर्थ न जानें दें। इतना सुंदर खज़ाना बाबा ने हमें संकल्पों का दिया है। इन संकल्पों के खज़ाने की इकॉनमी चाहिए। कलियुग के अन्दर तो मनुष्य के संकल्प बहुत वेस्ट जाते हैं, लेकिन ब्राह्मण बनने के बावजूद भी कभी-कभी वो पुराने संस्कार इस तरह से इमर्ज होने लगते हैं कि रियलाइज़ नहीं होते। और जब रियलाइज़ होने लगते हैं तो अपने आपको सावधान कर देते हैं। तो पहले-पहले चाहिए कि अपनी जो एनर्जी है, उसकी हम बचत करते जायें। संकल्पों के खज़ाने की, एनर्जी की, हमारी जो ऊर्जा है उस ऊर्जा को एकत्रित करें।

दूसरा एकनामी अर्थात् एक परमात्मा से ही सर्व सम्बन्धों का अनुभव करना। इसीलिए एकांत के साथ सदा एकांतप्रिय। प्रिय कब होंगे जब हमारे सर्व सम्बन्ध बाबा के साथ होंगे। एक शिव बाबा के प्रिय बन जायें हम। तो बाहर की दुनिया के अन्दर बुद्धि का जो भटकाव है वहाँ से उसको मोड़ करके एकनामी फोकस बहुत ज़रूरी है। और जब ऐसा हम बाह्य तरफ से बुद्धि को समेट करके एक बाबा में एकाग्र करते हैं, एकाग्रता धीरे-धीरे बढ़ने लगती है और उस एकाग्रता से वो एकांतप्रिय, वो इतनी सुंदर अवस्था होने लगती है जिस अवस्था में व्यक्ति समाये रहना चाहता है। इसलिए एकांत से पहले ये स्टेजेस जो हैं उसको पार करते ही हम एकांतप्रिय हो सकते हैं। अगर हमें अपने संकल्पों का बचाव, इकॉनमी करना नहीं आया तो एकांत का अनुभव नहीं कर सकते। साथ ही साथ मन भी एकाग्र नहीं होगा। इसीलिए ये स्टेजेस बहुत ज़रूरी हैं।

जैसे बाबा हमें कहते हैं कि कोई भी व्यक्ति को एकांत का अनुभव करना है तो अंडरग्राउंड होना ज़रूरी है। बाहर की दुनिया से डिटैच होने के लिए अंडरग्राउंड चले जाओ। जितना अंडरग्राउंड जायेंगे उतने सुन्दर विचार मन के अन्दर आरम्भ होंगे। जैसे किसी भी साइंटिस्ट को कोई नई इन्वेंशन(खोज) करनी होती है तो वो अंडरग्राउंड चला जाता है। अगर वो बाहर के लोगों से मिलता रहा तो उसकी स्थिति बनेगी ही नहीं, विचारों को एकाग्र नहीं कर पायेगा। इसीलिए उसको अंडरग्राउंड जाना ही पड़ता है। तब एकाग्रचित्त होकर उसको डेवलपमेंट जो करनी है, इन्वेंशन जो करनी है उसके लिए उसे जो विचार चाहिए वो उन विचारों को अपने अन्दर सहज निर्मित कर सकता है, क्रियेट कर सकता है। तो ठीक इसी तरह हमें भी अंडरग्राउंड होना बहुत ज़रूरी है। तो बाहर की बातों को, विचारों को फुल स्टॉप करना आसान हो जायेगा। तब जाकर मन की एकाग्रता से,जिस तरह समुद्र का, धरती का या आकाश का अंत पाना मुश्किल है पता ही नहीं है इसका अंत कहाँ है! ठीक इसी तरह शिव बाबा का अंत पाना भी मुश्किल है। लेकिन उस अंत में अपने मन को ले जाते हुए एक क्षण ऐसा भी आता है जब शिव बाबा का जो विशाल स्वरूप, जो तेज है उस तेज में, बाबा के प्रेम में हम अपने आपको समा सकते हैं। तो एकांतप्रिय होने के लिए उस प्रेम के सागर में, बाबा के साथ इतना गहरा प्यार हमारा हो तब एकांतप्रिय हम सहजता से बन सकते हैं और उसका सहजता से अनुभव कर सकते हैं।

तीसरी बात कि एकांतप्रिय होने के लिए आवश्यकता है बेहद की वैराग्य वृत्ति। जितना बेहद की वैराग्य वृत्ति है, एक रियल तपस्या की दृढ़ता जो है वो आरंभ होती है। इसीलिए बाबा कहते तुम बच्चों को तपस्या करनी है, तपस्या का आधार है बेहद की वैराग्य वृत्ति। बिना बेहद की वैराग्य वृत्ति के तपस्या हो ही नहीं सकती। भले कोई भट्ठी में बैठ जाये सारा दिन, लेकिन अगर मन से वैराग्य नहीं होगा तो मन से दुनिया में घूमता रहेगा। तो इसके लिए बेहद की वैराग्य वृत्ति ऐसी चाहिए कि उस बेहद की वैराग्य वृत्ति से ही हम उस एकांतप्रिय, बाबा के प्यार में सहजता से समा सकें। जो न पाने वाला असम्भव है उसको पाना भी सहज हो जायेगा। इसलिए बाबा हमारा बार-बार उस ओर ध्यान खिंचवाते हुए कहते हैं कि बच्चे तुम्हें उस बेहद की वैराग्य वृत्ति को ले आना होगा।

नई दिल्ली-हरिनगर। सुधांशु त्रिवेदी,राज्य सभा सांसद सदस्य एवं वरिष्ठ राष्ट्रीय प्रवक्ता,भारतीय जनता पार्टी को आध्यात्मिक चर्चा के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. नेहा बहन, ब्र.कु. प्रतिभा बहन। साथ हैं ब्र.कु. लोकेश भाई।

घोसवारी-बिहार। बी.डी.ओ. कामिनी देवी को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. निशा बहन तथा ब्र.कु. गुड़िया बहन।

जयपुर-राज.। भूपेन्द्र यादव,वाइस प्रिंसिपल,आरपीए जयपुर को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. उमा बहन एवं ब्र.कु. वर्षा बहन।

फैजाबाद-अयोध्या(उ.प्र.)। राम जन्म भूमि के मुख्य पुजारी श्री सत्येन्द्र दास जी महाराज को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. शशि दीदी।

भुवनेश्वर-अलारपुर(ओडिशा)। ब्रह्माकुमारीज के शिव संदेश भवन में आयोजित 'स्पीरिचुअलिटी फॉर ए वैल्यू बेस्ड सोसाइटी' विषयक सेमिनार के दौरान सुवेंदु कानुनगो,आईएएस,एडिशनल सेक्रेट्री अर्बन हाउसिंग डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए बीजेबी नगर सेवाकेन्द्र संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. तपस्विनी बहन।

बरेली-सिविल लाइंस(उ.प्र.)। अमृत महोत्सव के अंतर्गत शिक्षक दिवस सम्मान समारोह में डॉ. रवि शर्मा,प्रिंसिपल,जय नारायण इंटर कॉलेज बरेली तथा अन्य 75 प्रधानाचार्य एवं शिक्षक गणों को ब्र.कु. नीता बहन एवं ब्र.कु. दीपा बहन ने सम्मानित किया।

धर्मशाला-कांगड़ा(हि.प्र.)। इंजीनियर एन.पी.एस. चौहान,सुपरिन्टेंडिंग इंजीनियर, पीडब्ल्यूडी,धर्मशाला को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. कमलेश दीदी।

गोरखपुर-हुमायूपुर नॉर्थ(उ.प्र.)। एडिशनल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस अखिल कुमार को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात एवं प्रसाद देते हुए ब्र.कु. पुष्पा बहन।

जयपुर-रांझी(राज.)। ग्रे आयरन फाउंड्री की ओर से आयोजित योग क्लास में ब्र.कु. गीता बहन एवं ब्र.कु. प्रियंका बहन ने योग पर प्रकाश डाला। इस मौके पर महाप्रबंधक राजीव कुमार तथा सभी प्रोफेसर्स उपस्थित रहे।

पलवल-हरियाणा। पुलिस अधीक्षक तथा अन्य कर्मचारियों को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. राज दीदी तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें।

रसड़ा-उ.प्र.। सी.ओ. शिव नारायण वैश को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. जागृति बहन।

लालगंज-उ.प्र.। एसडीएम सुरेन्द्र नारायण त्रिपाठी को ईश्वरीय संदेश देने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. अनीता बहन।

ओम शान्ति मीडिया सदस्यता हेतु सम्पर्क करें

कार्यालय - ओम शान्ति मीडिया
संपादक - ब्र.कु. गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न-5,आबू रोड, राज. 307510

सम्पर्क- M- 9414006096, 9414182088,
Email-omshantimedia@bkivv.org

सदस्यता शुल्क : भारत - वार्षिक - 240 रूपये, तीन वर्ष - 720 रूपये, आजीवन - 6000 रूपये

Website: www.omshantimedia.org

For Online Transfer

BANK NAME:- STATE BANK OF INDIA(SBI)
ACCOUNT NAME:- OM SHANTI MEDIA
ACCOUNT NO: - 30826907041,IFSC - CODE - SBIN0010638
BRANCH- Prajapita Brahmakumaris Ishwariya Vishwa Vidhyalya,Shantivan
Note:- AfterTransfer send detail on
E-Mail - omshantimedia.acct@bkivv.org
OR
Whatsapp, Telegram No.:- 9414172087

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

BHIM Baroda Pay
SCAN TO PAY
WITH ANY BHIM UPI APP

Merchant Name : RERF Om Shanti Media
vpa : 09000r0076184@barodampay

UPI paytm BHIM BharatPe